भा.वा.अ.शि.प. - वन उत्पादकता संस्थान, राँची

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

जनजातीय गौरव दिवस के अंतर्गत बिरसा मुण्डा जयंती समारोह

दिनांक: 14.11.2024

भावाअशिप-वन उत्पादकता संस्थान, राँची द्वारा दिनांक 14.11.2024 को निदेशक के निर्देश एवं विस्तार प्रभागाध्यक्ष के मार्गदर्शन में जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर भगवान बिरसा मुण्डा जयंती समारोह का आयोजन किया गया|दिनांक 15.11.2024 को अवकाश होने के कारण, दिनांक 14.11.2024 को जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. विनय भरत, प्रोफेसर और प्रभागाध्यक्ष (अंग्रेजी प्रभाग), डॉ. श्यामा प्रसाद मुख़र्जी विश्वविद्यालय, राँची उपस्थित रहे। । समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि, डॉ. विनय भरत, संस्थान के निदेशक, डॉ. अमित पाण्डेय, प्रभागाध्यक्षों, वैज्ञानिकों एवं अन्य अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं भगवान बिरसा मुण्डा के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पण कर किया गया।

इस अवसर पर निदेशक, डॉ. अमित पाण्डेय ने मुख्य अतिथि को पौध एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। डॉ. पाण्डेय ने आपने स्वागत संबोधन में बिरसा मुंडा की जीवनी एवं आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि ऐसे ओजस्वी एवं वीर पुरूषों को याद कर हमें गौरव एवं इतिहास का बोध होता है। भारत सरकार द्वारा बिरसा मुंडा जयन्ती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का स्वागत करते हुए कहा कि बिरसा मुंडा, जिनको धरती आबा कहा गया, अदम्य साहस एवं शक्ति के प्रतीक हैं।

जनजातीय गौरव दिवस के अंतर्गत बिरसा मुण्डा जयंती समारोह

दिनांक: 14.11.24

इस अवसर पर मुख्य अतिथि तथा वक्ता डॉ. विनय भारत ने अपने व्याख्यान में बिरसा मुण्डा की जीवनी एवं देश की आजादी में उनके योगदान का विस्तार पूर्वक उल्लेख किया। 'उलगुलान' के विषय में बताते हुए उन्होंने कहा कि आज भी धरती, वन और पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिये उलगुलान की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि जोश और जज़्बा उम्र का मोहताज नहीं होता तथा उनका आदर्श और देशप्रेम सदा अनुकरणीय रहेगा।

समूह समन्वक अनुसंधान डॉ. योगेश्वेर मिश्रा ने भगवान बिरसा मुण्डा के योगदान को स्मरण करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु अतिथियों तथा संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का धन्यवाद किया तथा कार्यक्रम समाप्ति कि घोषणा की। कार्यक्रम को सफल बनाने में विस्तार प्रभाग और सूचना एवं तकनीकी प्रभाग के सभी अधिकारीयों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

रांची-गुमला **NH-23,** लालगुटवा, रांची 835 303 (झारखंड)